SHRI JAWHAR SIRCAR: Simultaneously, we have been agitating for inclusion of Bangla as a classical language. We have taken a Resolution on this score and we have submitted a four-volume research paper to the Government of India on this subject. We ask for consideration of the details submitted thereon to establish the antiquity of the language of Bangla in syntax, in grammar and largely in alphabet from the 4th century B.C. It is our humble submission that our case to include Bangla as a classical language be considered positively.

THE VICE- CHAIRPERSON (SHRIMATI SEEMA DWIVEDI): The following hon. Members associated themselves with the Zero Hour matter raised by the hon. Member, Shri Jawhar Sircar: Shri Mohammed Nadimul Haque (West Bengal), Dr. Santanu Sen (West Bengal), Dr. V. Sivadasan (Kerala), Dr. John Brittas (Kerala) and Shri M. Shanmugam (Tamil Nadu).

माननीय श्री एस. सेल्वागनबेथी। अनुपस्थित। श्री बृज लाल।

State of tourism in Uttar Pradesh following the consecration of Ramlala in Ayodhya

श्री बृज लाल (उत्तर प्रदेश): उपसभाध्यक्ष महोदया, उत्तर प्रदेश में भगवान राम के मन्दिर की प्राण-प्रतिष्ठा हो चुकी है। वहाँ पर शुरुआत में काफी restriction के बाद footfall 5 lakh per day थी। वहाँ पर average footfall 3 लाख हो रही है। यह जो फुटफॉल है, यह न केवल अयोध्या में है, बल्कि काशी, मथुरा में भी है। इन सब जगहों पर बहुत फुटफॉल हो रही है, इसके कारण पर्यटन को बहुत बड़ा बूस्ट मिला है। हम जो 5 ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी की बात करते हैं, उसमें 1 ट्रिलियन डॉलर का योगदान उत्तर प्रदेश का ही होगा और उसमें सबसे बड़ा योगदान धार्मिक पर्यटन का होगा। अयोध्या के विकसित होने से पूर्वी उत्तर प्रदेश, जहाँ का मैं भी रहने वाला हूँ, वहाँ के लोग विकसित होंगे। काशी में काफी फुटफॉल हो रही है। जब से वहाँ पर प्रधान मंत्री मोदी जी ने काशी विश्वनाथ कॉरिडोर बनाया है और उसको ब्यूटीफाई किया है, तब से हमारे पर्यटन पर इसका बहुत बड़ा प्रभाव पड़ा है।

महोदया, उत्तर प्रदेश में एक बुद्धिस्ट सर्किट है, इसके चार मुख्य स्थान हैं - सारनाथ, कुशीनगर, श्रावस्ती और हमारा जिला सिद्धार्थ नगर है, जहाँ पर कपिलवस्तु है। यह उनका जन्म स्थान है। 1972 में कपिलवस्तु में खुदाई हुई, उसके पहले अंग्रेज भी वहाँ पर खुदाई करा चुके थे। वहाँ पर स्तूप मिले और भगवान गौतम बुद्ध महाराज के पिता शुद्धोधन महाराज जी का वह महल मिला। केमिकल ऐनालिसिस से यह प्रूव हो चुका है कि यह उनकी जन्मस्थली है और वहाँ पर उनकी अस्थि भी मिली थी, जो दिल्ली में रखी हुई है।

हमारा यह अनुरोध है कि भारत सरकार को इस बुद्धिस्ट सर्किट के विकास पर विशेष ध्यान देना चाहिए। मैं प्रधान मंत्री जी को इसके लिए साधुवाद देता हूँ कि उन्होंने कुशीनगर में इंटरनेशनल एयरपोर्ट की स्थापना की। अयोध्या में इंटरनेशनल एयरपोर्ट बन चुका है। बुद्धिस्ट

सर्किट की ये जो जगहें हैं, ये अयोध्या और काशी के आस-पास ही हैं। मैं खास कर कपिलवस्तु के बारे में कहूँगा कि हम लोग उसको उतना कैश नहीं कर पाए। अभी वहाँ पर पर्याप्त व्यवस्था नहीं है, होटल्स नहीं हैं, रुकने के अच्छे स्थान नहीं हैं और वहाँ पर पहुँचने का रास्ता केवल गोरखपुर से है तथा ट्रेन की व्यवस्था है। बस्ती से वहाँ तक बहुत अच्छी सड़क बन चुकी है। मेरा भारत सरकार से यह अनुरोध है कि जो बुद्धिस्ट सर्किट है, उसको सुदृढ़ किया जाए।

उपसभाध्यक्ष (**श्रीमती सीमा द्विवेदी**)**:** माननीय सदस्या, संगीता यादव जी ।

Importance of menstrual hygiene among young girls and women in the country

श्रीमती संगीता यादव (उत्तर प्रदेश)**:** उपसभाध्यक्ष महोदया, आपने मुझे भारत में किशोर लड़कियों और महिलाओं के मासिक धर्म स्वास्थ्यता संबंधी 'राइट टू हाइजीन' पर बोलने का अवसर दिया, इसके लिए मैं आपका आभार प्रकट करती हूँ। यह एक ऐसा विषय है, जो देश की 50 परसेंट आबादी से जुड़ा हुआ है। 2017 से लेकर 2022 तक जब मैं एमएलए थी, तो मैं लगातार सभी बड़े स्कूलों में जितनी बड़ी बच्चियाँ थीं, जो 11 साल से ऊपर की थीं, उन सभी स्कूलों में तथा जो सेल्फ हेल्प ग्रुप की महिलाएँ थीं, उनमें मैंने हमेशा फ्री नैपकिन्स बाँटने का काम किया और इसके लिए जागरूकता अभियान भी चलाया। इसमें गाँव के प्रधान, पूर्व प्रधान और जो प्रशासनिक अधिकारी थे, हमें उन सबका सहयोग मिला। पहली बार ग्रामीण क्षेत्र में यह चर्चा का विषय बना। इससे पहले यह विषय हमेशा बंदिशों में ही रहता था।

महोदया, हम लोगों ने हजारों महिलाओं और बच्चियों को गर्भाशय से जुड़ी हुई अनेक बीमारियों से बचाया। मैं इस संबंध में जीरो ऑवर के माध्यम से कुछ अपील करना चाहती हूँ।

(**उपसभापति महोदय** *पीठासीन हुए।*)

महोदय, माननीय मोदी जी ने भी 'लाल किले' से इस मुद्दे पर चर्चा की है और जब से 'पैडमैन' मूवी आई, तब से यह और ज्यादा विस्तृत तौर पर चर्चा का विषय बना। लेकिन आज भी 'पाँचवें राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण' के अनुसार केवल 36 परसेंट महिलाएँ ही सैनिटरी नैपकिन्स का उपयोग करती हैं, बाकी महिलाएँ आज भी अज्ञानतावश अस्वच्छ सामग्री का ही उपयोग करती हैं। इसके कारण बच्चियों और महिलाओं में बहुत ज्यादा गंभीर बीमारियाँ फैल रही हैं। सरकार इसमें अच्छा काम कर रही है, हमारे प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भी इससे जुड़े हुए हैं, लेकिन इसको मिशन मोड में करने की आवश्यकता है। इसलिए मैं आपके माध्यम से सिर्फ इतनी ही अपील करती हूँ कि इसको मिशन मोड में किया जाए, क्योंकि देश की आजादी के इतने वर्षों बाद भी 'राइट टू हाइजीन' आज भी समस्या बना हुआ है।

महोदय, यूट्रस कैंसर एक ऐसा कैंसर है, जो ज्यादातर फोर्थ स्टेज में ही मालूम पड़ता है और यह इसी से जुड़ा हुआ है। इसके साथ ही बांझपन की समस्या, संक्रमण की समस्या, आदि हैं। सर्वाइकल कैंसर, जिसके बारे में अभी बजट में भी माननीय मोदी जी ने रखा है। हमने उस पर चर्चा